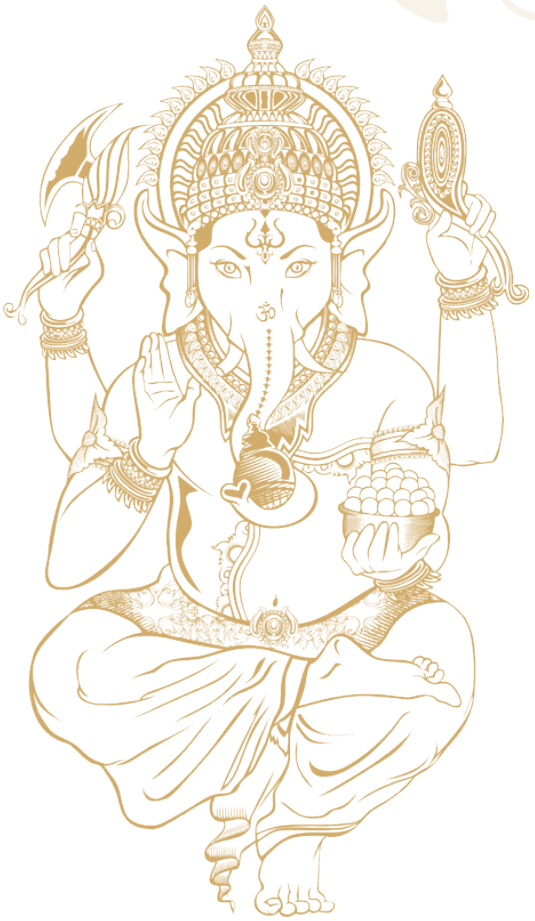

Mr.

15 Mar 2026

03:59 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121595903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:59:00 घंटे**
इष्ट	23:39:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:37:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:56 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:02 घंटे
सूर्योदय	06:31:21 घंटे
सूर्यास्त	18:29:17 घंटे
दिनमान	11:57:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:37:14 मीन
लग्न के अंश	28:42:00 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:42:00	309:58:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मीन	00:37:14	00:59:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मक	15:52:58	12:43:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	15:53:27	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	15:45:30	00:33:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:53:33	00:00:50	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	16:56:34	01:14:26	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:15:31	00:07:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:43:44	00:01:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:43:44	00:01:32	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:54:04	00:01:58	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:21:09	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:40:06	00:01:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	25:43:57	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

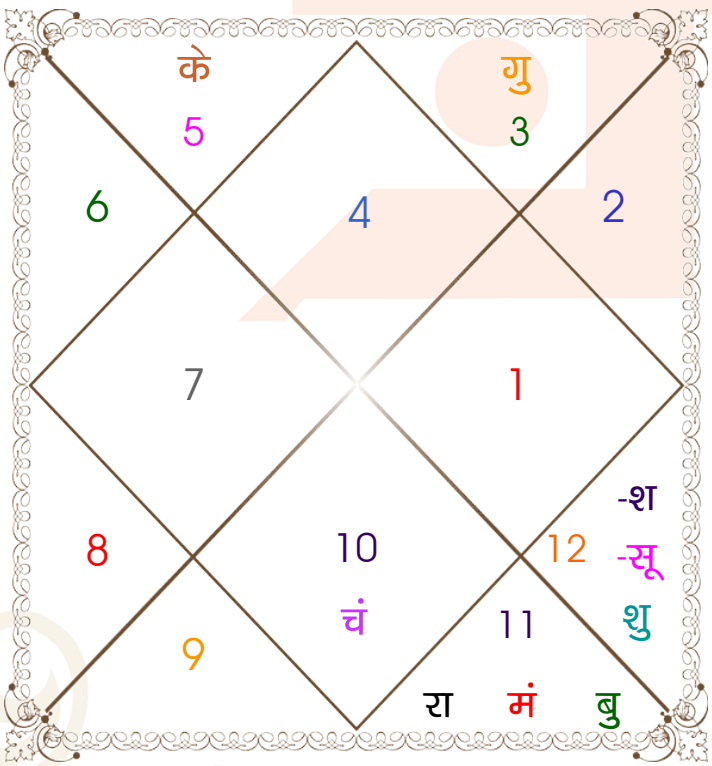

चन्द्र कुंडली

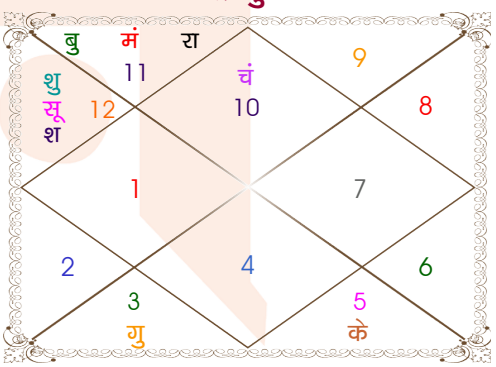

नवमांश कुंडली

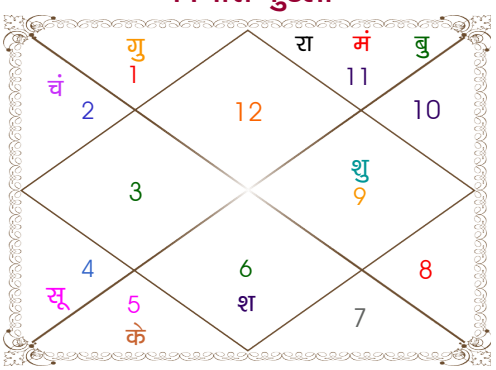

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 7 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/03/2026		16/10/2031		16/10/2038		15/10/2056		15/10/2072	
16/10/2031		16/10/2038		15/10/2056		15/10/2072		16/10/2091	
	00/00/0000	मंगल	13/03/2032	राहु	28/06/2041	गुरु	04/12/2058	शनि	19/10/2075
	00/00/0000	राहु	01/04/2033	गुरु	22/11/2043	शनि	16/06/2061	बुध	28/06/2078
	00/00/0000	गुरु	08/03/2034	शनि	28/09/2046	बुध	22/09/2063	केतु	07/08/2079
	15/03/2026	शनि	17/04/2035	बुध	16/04/2049	केतु	28/08/2064	शुक्र	07/10/2082
शनि	16/08/2027	बुध	13/04/2036	केतु	05/05/2050	शुक्र	29/04/2067	सूर्य	19/09/2083
बुध	15/01/2029	केतु	09/09/2036	शुक्र	04/05/2053	सूर्य	15/02/2068	चंद्र	19/04/2085
केतु	16/08/2029	शुक्र	09/11/2037	सूर्य	29/03/2054	चंद्र	16/06/2069	मंगल	29/05/2086
शुक्र	17/04/2031	सूर्य	17/03/2038	चंद्र	28/09/2055	मंगल	23/05/2070	राहु	04/04/2089
सूर्य	16/10/2031	चंद्र	16/10/2038	मंगल	15/10/2056	राहु	15/10/2072	गुरु	16/10/2091

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/10/2091		16/10/2108		17/10/2115		17/10/2135		17/10/2141	
16/10/2108		17/10/2115		17/10/2135		17/10/2141		00/00/0000	
बुध	14/03/2094	केतु	15/03/2109	शुक्र	16/02/2119	सूर्य	04/02/2136	चंद्र	17/08/2142
केतु	11/03/2095	शुक्र	15/05/2110	सूर्य	16/02/2120	चंद्र	04/08/2136	मंगल	18/03/2143
शुक्र	09/01/2098	सूर्य	20/09/2110	चंद्र	17/10/2121	मंगल	10/12/2136	राहु	16/09/2144
सूर्य	15/11/2098	चंद्र	21/04/2111	मंगल	17/12/2122	राहु	04/11/2137	गुरु	16/01/2146
चंद्र	17/04/2100	मंगल	17/09/2111	राहु	17/12/2125	गुरु	23/08/2138	शनि	16/03/2146
मंगल	14/04/2101	राहु	04/10/2112	गुरु	17/08/2128	शनि	05/08/2139		00/00/0000
राहु	01/11/2103	गुरु	10/09/2113	शनि	17/10/2131	बुध	11/06/2140		00/00/0000
गुरु	06/02/2106	शनि	20/10/2114	बुध	17/08/2134	केतु	16/10/2140		00/00/0000
शनि	16/10/2108	बुध	17/10/2115	केतु	17/10/2135	शुक्र	17/10/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।